>

Title: Regarding problem created by Nilgai Parliamentary Constituency, Bihar.

श्री सुनील कुमार पिन्टू (सीतामढ़ी) : सभापति महोदय, आज आपने मुझे शून्य काल के माध्यम से मेरे क्षेत्र की महत्वपूर्ण समस्या को उठाने का मौका दिया है, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं ।

महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट कराना चाहता हूं कि जिस प्रकार माननीय प्रधान मंत्री जी ने वृद्ध व्यक्ति को पेंशन देने की सरकार की एक योजना शुरू की है, ठीक उसी प्रकार से जो हमारी गौ माता है, जो गायें दूध नहीं देती हैं, ऐसी गायों को लोग छोड़ देते हैं । मेरे क्षेत्र सीतामढ़ी में सीतामढ़ी-जनकपुर रोड पुपरी में दो गौशालाएं हैं । दोनों गौशालाओं को 100 साल से भी ज्यादा का समय हो गया है । वे इस प्रकार रोड पर छोड़ी हुई गायों का संरक्षण करती हैं । अगर इन्हें कोई सहायता नहीं दी जाएगी, तो पूरे हिन्दुस्तान की ऐसी गौशालाएं जो दूध न देने वाली गायों का संरक्षण करती हैं, उनको वे संरक्षित नहीं कर पाएंगी । वे उनको बचाकर अपनी गौशालाओं में नहीं रख सकेंगी । इसलिए, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान इस ओर आकृष्ट कराना चाहता हूं ।

महोदय, मैं एक बात और कहना चाहता हूं कि मेरे सीतामढ़ी संसदीय क्षेत्र में बहुत-सी नील गायें हैं । हमारे बिहार में लोग नील गाय को घोड़परास भी कहते हैं । मेरे जिले में उनका आतंक है । गाय होने के नाते उनको कोई पकड़ नहीं पाता है और न ही हम उनको काट सकते हैं । किसानों की सैकड़ों एकड़ में फैली हुई खड़ी फसलें लगभग पूरी तरह से नष्ट हो गई है । मैं आपके माध्यम से सरकार से यह कहना चाहता हूं कि मेरे जिले में नील गाय (घोड़परास) के आतंक से मुक्ति के उपाय के बारे में सोचा जाए ।